आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 07.05.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर में नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह नष्ट किया।
- परिवहन निदेशालय ने कहा – वाहन पोर्टल पर मोबाइल नम्बर अपडेट कराना जरूरी है।
- पर्यटन विभाग द्वीपसमूह में खगोल पर्यटन की संभावनाओं पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित करेगा।
- पुरुषों और महिलाओं का वॉलीबॉल टूर्नामेंट ग्रैंड फिनाले कल खेला जाएगा।

<><><><><><><><>

भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह ऑपरेशन कल रात चलाया गया, जो पच्चीस मिनट का था। नई दिल्ली में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और विदेश मंत्रालय की संयुक्त प्रेस वार्ता में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कल रात एक बजकर पांच मिनट से एक बजकर तीस मिनट तक चलाया गया। प्रैस वार्ता में हमले में नष्ट किए गए आतंकवादी स्थल और सैन्य तथा नागरिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए बिना सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की विस्तृत जानकारी दी गई। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल भविष्य में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर का विवरण देते हुए पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों के नाम बताए हैं, जहां भारतीय सेना ने कार्रवाई की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और कैबिनेट को ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। श्री मोदी पूरी रात ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लेते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने सफलतापूर्वक इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को स्टार्टअप, उद्यमियों और युवा सोच के लिए खोल दिया है। अंतरिक्ष अन्वेषण पर वैश्विक सम्मेलन के लिए अपने वीडियो संदेश में श्री मोदी ने कहा कि भारत वैज्ञानिक अन्वेषण की उम्मीदों से कहीं आगे नए आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान, देश की बढ़ती आकांक्षाओं को उजागर करता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आने वाले हफ्तों में, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री इसरो–नासा के संयुक्त मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। श्री मोदी ने कहा कि 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में नए मोर्चे खोलेगा। उन्होंने कहा कि 2040 तक एक भारतीय चांद पर कदम रखेगा।

<><><><><><><><>

परिवहन निदेशालय ने सभी वाहन मालिकों से कहा है कि वे अपने आधार प्रमाणित मोबाइल नम्बर वाहन पोर्टल पर अपडेट करवाएं। मोबाइल नम्बर अपडेट न होने की स्थिति में कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएं लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है। जिसमें बीमा, ई–चलान नोटिस और टैक्स रिमाइडर जैसी अहम जानकारियां शामिल है।

<><><><><><><><>

पर्यटन विभाग अंडमान स्टारगेज़िंग के सहयोग से द्वीपसमूह में खगोल पर्यटन की संभावनाओं' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित करेगा। यह व्याख्यान बारह मई को शाम साढ़े पांच बजे से रात आठ बजे तक कार्बाइंस–कोव बीच पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रात के समय पर्यटन के अनुभव को बढ़ावा देने के लिए द्वीपों में खगोल पर्यटन के अवसरों को बढ़ाना है, इसके बाद पेशेवर दूरबीनों के साथ तारामंडल सत्र होगा। पर्यटकों, छात्रों, खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही, प्रकृति प्रेमियों और आम लोगों के लिए यह आयोजन निःशुल्क रहेगा।

<><><><><><><><>

आटो के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान मुख्य वनपाल संजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान ऑटों के अध्यक्ष एम. विनोद ने तैराकी प्रतिबंधों और एलीफेंट बीच को फिर से खोलने की मांग की। छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने इस बारे में चिंता जताई कि यह गलत सूचना फैलाई जा रही है कि अंडमान के किसी भी बीच पर तैरने की अनुमति नहीं है, जिससे पर्यटकों की सोच प्रभावित हो रही है। प्रधान मुख्य वनपाल संजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया कि पूरे द्वीपों में तैराकी पर कोई व्यापक प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने पुष्टि की कि तैराकी केवल समुद्री राष्ट्रीय उद्यानों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों या उन क्षेत्रों तक ही सीमित है जहाँ मगरमच्छ देखे गए हैं, जैसे कि वांडूर। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में मगरमच्छ देखे जाने के कारण एहतियात के तौर पर एलीफेंट बीच को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है, प्रधान मुख्य वनपाल ने आश्वासन दिया कि सुरक्षा आकलन पूरा होने के बाद बीच को जल्द ही पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।

<><><><><><><>

कैम्पबेल–बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में बेसिक लाइफ सपोर्ट, फस्टेड और आपदा प्रबंधन नवाचार पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कल आयोजित इस सत्र का नेतृत्व स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के उप–निदेशक मलेरिया और नोडल ऑफिसर डॉ. बी. अजीत ने किया। इस अवसर पर डॉ. मीना नसिर एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस सत्र में बेसिक लाइफ सपोर्ट तकनीक, प्राथमिक उपचार, सी पी आर, मॉकड्रिल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में पी एस सी कैम्पबेल–बे और गांधीनगर के चालीस से अधिक पैरा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भाग लिया और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

<><><><><><><>

खेल विभाग पुरुषों और महिलाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का ग्रैंड फिनाले आयोजित करने जा रहा है। यह आयोजन कल दोपरह साढ़े तीन बजे स्पोस्ट कॉम्पलैक्स में खेला जाएगा। पुरूषों का मैच अण्डमान निकोबार पुलिस और बिदोरी क्लब के बीच, जबकि महिलाओं का मैच जेनेसिस – टूअल और चौवरा एवं तेरेसा के बीच खेला जाएगा।

<><><><><><><>

विज्ञान केंद्र के छात्रों ने कल केन्द्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान के गारचरमा अनुसंधान परिसर का दौरा किया। इसका उद्देश्य छात्रों की वैज्ञानिक अनुसंधानिक पहलुओं और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में हुई प्रगति को समझना था। इस अवसर पर वैज्ञानिक डी. करुणाकरन ने मीठे पानी की सजावटी मछली इकाई की स्थापना का अवलोकन प्रदान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के. सरवनन ने मत्स्य संग्रहालय पर चर्चा की। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी.ए. बाला ने पशु विज्ञान प्रभाग का अवलोकन प्रस्तुत किया। इस मौके पर बागवानी प्रभाग की टी. कौसल्या ने औषधीय उद्यान और बागवानी पौधों के प्रसार इकाई की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान की। द्वीपों में कृषि प्रगति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस यात्रा का आयोजन केन्द्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चक्रुरकर के पर्यवेक्षण में किया गया था।

<><><><><><><>

मत्स्य विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष– दो हजार पच्चीस–छब्बीस के लिए फिशिंग बोट के निर्माण और खरीद पर सब्सिडी योजना शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य मछुआरों, अनसूचित जनजातियों, बेरोजगार युवाओं और मत्स्य सहकारी समितियों को मदद प्रदान करना है, ताकि द्वीपो में मछली उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। इस योजना के तहत आवेदन किया जा सकता है, जिसमें पचास से पचहत्तर प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि इक्कतीस मई है। आवेदनकर्ता क्षेत्र के मत्स्य कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

<><><><><><><>